बरनाबास और पौलुस की टीम की तरह अपने परमेश्वर की सेवकाई करो।

जो बच्चों को पढ़ाते हैं वह टी 2 बी का अध्ययन करें।

प्रार्थना: प्यारे प्रभु, हमारी मेहनत पर विश्वास करके यीशु और उसके प्रेरितों की तरह एक टीम की तरह हमारे साथ काम करना चाहते हैं।

वह गतिविधियाँ चुनिए जो वर्तमान आवश्यकता, स्थानिय रीति रिवाज और परमेश्वर की विश्वासियों की योग्यताओं के अनुरुप हो।

1. प्रभु के वचन से विश्वासियों को तैयार करे कि वह एक साथ सेवकाई का कार्य करें।

1 क) बरनाबास एक टीम सेवक था।

बरनाबास दूसरों का ख्याल रखता था और लोगों को इकठ्ठा करके एक टोली में काम करता था। **प्रेरितों के काम अध्याय 4:34-37** में ढूढिएं कि लोगों की आवश्यकतओं को पूरा करने के लिए उसने क्या किया।

प्रेरितो के काम 9:26-29 में देखे कि पौलुस के साथी सेवक स्वीकार करने में उसने विश्वासियों को कैसे सहायता की।

प्रेरितों के काम 13:2-5 में देखें, बरनाबास की टोली के कौन दो सदस्य थे जो पहले अन्ताकिया के गिरजाघर भेजे गए।

प्रेरित जोड़े में या छोटी टीम में सामान्यता घूमते थे

1 ख) वचन ने व्यक्तिगत और टोलीकार्य का प्रभाव।

मूसा ने इस्राएल जाति के बुजुर्गो के साथ मिलकर काम किया और परमेश्वर ने उसको बहुतायात से दूस्तयाल किया। लेकिन जब उसने बुजुर्गो के बिना अकेले काम किया तो लोगों ने उसको गुस्सा दिलाया और उसने उसे पहाड़ी पर मारा, जिससे परमेश्वर ने पानी देने का वादा किया था। परमेश्वर ने उसको सजा दी (गिनती 20:2-12)

जब **राजा दाऊद** ने सिपाहियों, पुरोहितो और नबियों के साथ मिलकर काम किया, परमेश्वर ने उसको पराक्रम से इस्तमाल किया। अकेले कार्य करने पर उसने उरिय्याह की जान और पत्नी ले ली (2 शमुएल अध्याय 11-12) अकेले कार्य करने पर उसने मूर्खतापूर्वक सेना में लोगों की आयु लगानी शुरू की और उसकी तुलना उत्तरी और दक्षिणी जाति के जुड़े हुए राज्य से की। इसके लिए परमेश्वर ने उसको सजा दी (2 शमूएल 24)

राजा यहोशापात पुराने इस्राएल के समय परमेश्वर के नीतियों से सलाह लेकर निर्णय करता था। उसने गांवो में परमेश्वर का वचन सिखाने के लिए कर्मचारियो को टोली में भेजा। (2 इतिहास 17:7-9) दूसरे राजा जो स्वयं कार्य करते थे, मूर्खतापूर्ण निर्णय लेते थे, जैसे जब आहाब ने यहोशापात से कहा कि वह युद्ध के समय उसकी पहचान छुपा लेगा। लेकिन वह एक शर्मनाक मौत मरा (1राजा 22:30-38)

एलिय्याह नबी सामान्यतः उन नबियों के साथ मिलकर काम करता था जिनको उसने प्रशिक्षण दिया था। परन्तु जब वह रानी एजबेल से भाग रहा था, उसने बुद्धिहीनता से अपने सेवक पीछे छोड़ दिया। वह निरूत्साह महसूस करने लगा तथा परमेश्वर से मृत्यु की प्रार्थना करने लगा। (1 राजा अध्याय 19)

यीशु ने बारह चेलो की टोली बनाई, पतरस जिसका बाद में अगुवा बना। वह यीशु के पकड़े जाने के बाद बिखर गए, उससे अलग हो गए और पतरस ने यीशु का इनकार किया। (मरकुस 14:66-72)

पौलुस के जेल में होने के अलावा, वह दूसरे सेवको के साथ घूमता था। जब उसका साथी तितुस अनुपस्थित या तो वह बहुत व्याकुल हुआ (2 कुरिन्थियों 2:12-13) जब तीतुस ने कार्य समूह में दुबारा सम्मिलित हुआ तो उसे बहुत शक्ति मिली। (2 कुरिन्थियों 7:5-7)

यीशु और उसके चेले सामान्यता अकेले काम नहीं करते थे लेकिन **अस्थायी टोली** बनाते थे।

- टोली एक कार्य समूह थे जो निश्चित कार्य पर ध्यान देते थे।
- जब काम हो जाता था तो वह आगे बढ़ जाते थे, कभी टोली के विभिन्न साथियों के साथ।
- वह अपनी टोली के सदस्यो को प्रशिक्षण देते थे। फिर उन्हें अपनी टोली बनाने को कहते थे।

1 ग) अन्ताकिया की टोली (बरनावास, पौलुस और थोड़े समय क लिए यूहन्ना, मरकुस)

प्रेरितो के काम अध्ययन 13 और 14 में पढ़ें कैसे कार्य समूह बनते थे और उन्होंने क्या किया।

- प्रेरितो के काम अध्याय 13:1-3 में देखें कि अन्ताकिया की कलिसिया पर परमेश्वर ने क्या किया कि वह भेजने वाली कलीसिया बनी।
- प्रेरितों के काम अध्याय 13 और 14 में ढूंढें उन लोगो के बारे में जिन्होंने कार्य समूह का विरोध किया और उसका परिणाम।
- प्रेरितों के काम अध्याय 14 में ढूढें कि कार्यभार समूह नई कलीसियाओं में कैसे अगुवे नियुक्त करते थे।
- प्रेरितों के काम अध्याय 14:26-28 में ढूढें कि वह भेजी गई कलिसियाओ को घटनाओ के बारे मे कैसे बताते थे।

2. अपने सहकर्मी यों के साथ टोली बनाए जो सप्ताह में मिलकर काम करें।

- सहायता के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर ने कलीसिया के सेवाकार्य के लिए जो सेवक दिए हैं वह प्रेरितों की तरह काम करें (उपेक्षित लोगों के पास वह भेजे जाए) जैसा कि उसने इफिसियो 4:11-12 में वादा किया।
- अपने सहकर्मी के साथ निश्चित करो कि तुम्हारे बीच बरनाबास जैसा कौन है जो पौलुस की सहायता करे एक नई कलिसिया बनाने में। उनके ऊपर हाथ रखकर प्रार्थना करें
- दूसरी कलीसियाओ को प्रेरितो की टोली बनाने में सहयोग दें।
- चरवाहे की कहानी पुस्तक से नई कलीसिया स्थापित करने का प्ररिक्षण दें। (पौलुस तिमुथियुस अगुवो का प्रशिक्षण)

3. सहकर्मी यों के साथ आने वाली आराधनाओ की योजना बनाए।

बरनाबास के चरित्र बताएँ और परमेश्वर ने टोली बनाने में उसका कैसे उपयोग किया। (भाग 1ए)

टोलीकार्य की व्यक्तिगत कोशिश से तुलना कीजिए (भाग 1 बी)

संक्षिप्त में नाटक करे या बताएँ कि अन्ताकिया की टोली कैसे बनी और इसने क्या किया (भाग 1ए)

उस कार्यसमूह का विवरण सुने जिसने अभी तुम्हारे समाज से बाहर जाकर यीशु के बारे में दूसरों को बताया और एक नई कलिसिया शुरू की।

बच्चों ने जो तैयारी की उसको प्रस्तुत करें।

उन गतिविधियों की घोषणा करें जिसको सप्ताह में करने की आपने योजना बनाई हैं।

प्रभु भोज मनाने से पहले, हर एक से कहो कि वह एकान्त में परमेश्वर के सामने अपने पापों को स्वीकार करें। गिनती अध्याय 9:1-14 से कोई फसह के पर्व की महत्वता को बताए जो पुराने इस्राएल के लोगों के लिए प्रभु भोज से अनुरूप था।

दो या तीन लोगों का समूह बनाए जो प्रार्थना करे और निश्चित करे, शिक्षा दे, एक दूसरों को सुधारें। अपनी कलिसिया स्थापना वाली टीम के, या जो बनेगी, लिए प्रार्थना करें।

नीतिवचन 11:14 याद करें।

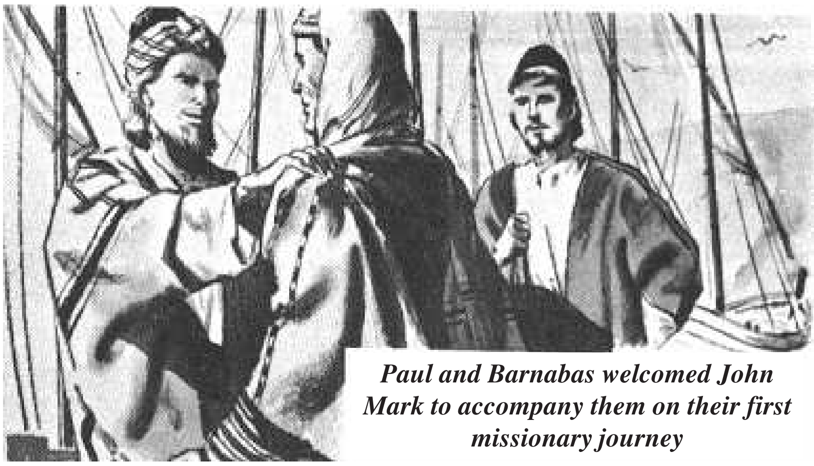

Paul and Barnabas welcomed John Mark to accompany them on their first missionary journey